हरिभूमि
विराट भूमि
शहडोल | बुढ़ार | धनपुरी | ब्यौहारी | जयसिंहनगर | बाणसागर

जबलपुर, मंगलवार 2 जून 2026
login : www.haribhoomi.com

खबर संक्षेप

शहडोल पुलिस की पहले बैच की ट्रेनिंग शुरू

शहडोल। आगामी उज्जैन महाकुंभ (सिंहस्थ-2028) को अभेद्य सुरक्षा और चाक-चौबंद व्यवस्था देने के लिए शहडोल पुलिस एक्शन मोड में आ गई है। महाकुंभ की महा-चुनौतियों से निपटने के लिए जिला पुलिस बल के जांबाज जवानों को अभी से तराशना शुरू कर दिया गया है। इसी कड़ी में आज से पुलिस के प्रथम बैच के विशेष और हाईटेक प्रशिक्षण का शंखनाद हो गया।डीआईजी और पुलिस अधीक्षक शहडोल के कड़े और सीधे मार्गदर्शन में इस विशेष ट्रेनिंग कैंप का विधिवत आगाज सोमवार को पुराने पुलिस कंट्रोल रूम हॉल में हुआ। 1 जून से 6 जून 2026 तक चलने वाले इस 6 दिवसीय मिशन मोड प्रशिक्षण में पुलिसकर्मियों को किताबी ज्ञान नहीं, बल्कि मैदान पर उतरकर मोर्चा संभालने के गुर सिखाए जा रहे हैं।

भीड़ और आपातकाल से निपटने का चक्रव्यूह- इस ट्रेनिंग का इकलौता मकसद सिंहस्थ के दौरान देश-विदेश से आने वाले लाखों श्रद्धालुओं की सुरक्षा को अचूक बनाना है। पुलिस जवानों को वीआईपी मूवमेंट, सुगम यातायात प्रबंधन, भारी भीड़ का मनोवैज्ञानिक नियंत्रण और किसी भी आकस्मिक या आपातकालीन स्थिति से बिजली की फुर्ती से निपटने के लिए तकनीकी और व्यावहारिक रूप से सुपरकॉप बनाया जा रहा है। साफ है कि शहडोल पुलिस सिंहस्थ 2028 में सुरक्षा का ऐसा चक्रव्यूह तैयार कर रही है, जिसे भेद पाना नामुमकिन होगा।

नाबालिग से दुष्कर्म करने वाला धराया

शहडोल। नाबालिग बच्चियों पर बुरी नजर डालने वाले दरिंदों के खिलाफ शहडोल पुलिस ने अपनी धमक दिखा दी है। गोहपारू थाना क्षेत्र से एक नाबालिग लडकी को बहला-फुसलाकर अगवा करने और उसके साथ दुष्कर्म (रेप) जैसी घिनौनी वारदात को अंजाम देने वाले शातिर आरोपी को पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए गिरफ्तार कर लिया है। दरिंदे को सीधे कोर्ट में पेश कर जेल की सलाखों के पीछे ठूंस दिया गया है। बीती 5 मई 2026 को ग्राम करकट निवासी एक बेबस पिता की नाबालिग बेटी शहडोल जाने के लिए घर से निकली थी, लेकिन रास्ते से ही लापता हो गई। परिजनों ने खून-पसीना एक कर उसे हर जगह ढूंढा, पर सुराग नहीं मिला। थक-हारकर पिता ने गोहपारू थाने में अज्ञात के खिलाफ अपहरण का मुकदमा दर्ज कराया। पुलिस की कड़ाई और तफ्तीश के आगे आरोपी ज्यादा दिन छिप नहीं सका। 31 मई को पुलिस ने दबिश देकर नाबालिग को सकुशल बरामद कर लिया। जब पीड़िता ने अपनी आपबीती सुनाई, तो पुलिस के भी रोंगटे खड़े हो गए। पीड़िता के बयानों के आधार पर मामले में तुरंत बीएनएस की सख्त धाराओं और कड़े पॉक्सो एक्ट का इजाफा किया गया। गोहपारू थाना प्रभारी निरीक्षक राजकुमार मिश्रा के नेतृत्व में सउनि विद्यासागर, आरक्षक अजीत यादव और दीपक साहू की जांबाज टीम ने घेराबंदी कर आरोपी धनराज सिंह उम्र 26 वर्ष, निवासी विजोरी, उमरिया को धर दबोचा और उसका सारा गुरूर मिट्टी में मिला दिया।

घर में घुसकर आबरू लूटने वाला गिरफ्तार

शहडोल। घर में अकेली पाकर महिला की अस्मत से खिलवाड़ करने वाले एक कलयुगी भेड़िए को सीधी थाना पुलिस ने दबोच लिया है। पति की अनुपस्थिति का फायदा उठाकर घर में घुसने और जबरन दुष्कर्म करने वाले शातिर आरोपी को पुलिस ने महज कुछ ही घंटों के भीतर सलाखों के पीछे पहुंचा दिया। दिल दहला देने वाली यह वारदात 24 मई 2026 की है। पीड़िता का पति काम के सिलसिले में रायपुर गया हुआ था। महिला को घर में अकेला देख घात लगाए बैठे आरोपी रजनीश उर्फ पप्पू महरा (38 वर्ष, पिता शंकर महरा) ने जबरन घर में घुसकर अंदर से कुंडी लगा ली। पीड़िता ने जब शोर मचाने और खुद को बचाने का प्रयास किया, तो दरिंदे ने उसे दबोच लिया और उसके साथ जबरदस्ती की। पति के वापस लौटते ही पीड़िता ने हिम्मत जुटाई और परिजनों के साथ थाने पहुंचकर रिपोर्ट दर्ज कराई। सीधी थाना प्रभारी निरीक्षक एस.आर. भगत के नेतृत्व में सउनि अमेरिकादास, आरक्षक सतीश सिंह और शिवकुमार सिंह की टीम ने तत्परता दिखाई। पुलिस ने आज 1 जून 2026 को दबिश देकर आरोपी पप्पू महरा को धर दबोचा और सीधे कोर्ट में पेश कर जेल भेज दिया।

गहराया जल संकट: 39 वार्डों में अशुद्ध पानी की सप्लाई, समय का अता-पता नहीं

अध्यक्ष-उपाध्यक्ष को सीएमओ हटाने की चिंता

शहडोल।

संभागीय मुख्यालय की नगर पालिका शहडोल के सभी 39 वार्डों में इन दिनों पेयजल संकट गहरा गया है, जिससे स्थानीय नागरिकों में भारी आक्रोश व्याप्त है। शहर में भीषण गर्मी के बीच पानी की सप्लाई न केवल अनियमित है, बल्कि नलों से आने वाला पानी भी पूरी तरह अशुद्ध और पीने योग्य नहीं है। इस विकट समस्या को लेकर नगर पालिका प्रशासन पूरी तरह मूकदर्शक बना हुआ है और जनता बूंद-बूंद पानी को तरस रही है।

सत्ता की आपसी खींचतान में पिसी जनता

नगर पालिका शहडोल इस समय राजनीति का अखाड़ा बन चुकी है, जहां जनप्रतिनिधियों को जनसमस्याओं से ज्यादा अपनी कुर्सी और आपसी वर्चस्व की चिंता सता रही है। अध्यक्ष और उपाध्यक्ष दोनों मिलकर मुख्य नगरपालिका अधिकारी (सीएमओ) को हटाने की जोड़-तोड़ में व्यस्त हैं। पूरा प्रशासनिक अमला विकास कार्यों को गति देने के बजाय एक-दूसरे का काम रोकने, सामने वाले का कद घटाने और विकास की राह में अड़चनें पैदा करने की राजनीति में उलझा हुआ है। जनप्रतिनिधियों की इस आपसी लड़ाई के कारण शहर के विकास कार्य पूरी तरह ठप पड़ गए हैं, जिसका सीधा खामियाजा टैक्स भरने वाली आम जनता को भुगतना पड़ रहा है।

पानी की बर्बादी और समय का अता-पता नहीं

शहर के 39 वार्डों में जल प्रदाय का कोई समय निर्धारित नहीं है कि पानी कब आएगा और कब बंद हो जाएगा। उपभोक्ताओं को रोजाना घंटों नलों के पास बैठकर इंतजार करना पड़ता है। ऊपर से स्थिति यह है कि एक घर में बमुश्किल 10 से 15 मिनट ही पानी पहुंच पा रहा है, जिससे दैनिक जरूरतें भी पूरी नहीं हो पा रही हैं। पानी के इस गंभीर संकट और नगर पालिका की इस घोर लापरवाही को लेकर अब तक किसी भी जिम्मेदार अधिकारी या जनप्रतिनिधि ने कोई सुध नहीं ली है, जिससे नागरिकों का धैर्य अब जवाब दे रहा है।

मीडिया का एक धड़ा भी राजनीति में शामिल

शहर की इस बदहाली और राजनीतिक उठापटक का असर अब स्थानीय मीडिया पर भी साफ तौर पर देखने को मिल रहा है। लोकतंत्र का चौथा स्तंभ माना जाने वाला मीडिया भी अब निष्पक्ष भूमिका निभाने के बजाय दो धड़ों में बंट चुका है। मीडियाकर्मी भी इस राजनीतिक अखाड़े का हिस्सा बनकर एक-दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप लगाने में शामिल हो गए हैं। इस वजह से जनता की बुनियादी आवाज और मुख्य समस्याएं कहीं दबकर रह गई हैं और पूरा ध्यान केवल व्यक्तिगत छीटेंकशी और राजनीतिक एजेंडे को चमकाने पर केंद्रित हो गया है।

पहली बारिश ने खोली व्यवस्था की पोल

बीते रविवार को शहर में हुई कुछ ही देर की हल्की बारिश ने नगर पालिका के खोखले दावों और सफाई व्यवस्था की पूरी पोल खोलकर रख दी। थोड़ी सी बारिश होते ही शहर की अधिकांश नालियां उफान पर आ गईं और उनके भीतर जमा सारा कचरा सडक़ों पर बहने लगा। जलभराव के कारण राहगीरों का पैदल चलना तक दूभर हो गया। इस नजारे ने साफ कर दिया कि मानसून से पहले की जाने वाली नालियों की सफाई सिर्फ कागजों तक ही सीमित है और धरातल पर कोई तैयारी नहीं की गई है।

सीवेज खुदाई के गड्ढे बने काल

पेजल की किल्लत और जलभराव के साथ-साथ शहरवासी सडक़ों की दुर्दशा से भी बेहद त्रस्त हैं। शहर के मुख्य मार्ग और रिहायशी इलाकों में सीवेज लाइन बिछाने वाली कंपनी द्वारा सडक़ों को मनमाने ढंग से खोदकर ऐसे ही छोड़ दिया गया है। इन गहरे गड्ढों को दोबारा ठीक करने की जहमत न तो संबंधित ठेकेदार ने उठाई और न ही नगर पालिका प्रशासन ने इस पर कोई संज्ञान लिया। इन गड्ढों के कारण आए दिन लोग गिरकर चोटिल हो रहे हैं और लगातार बड़ी सडक़ दुर्घटनाएं हो रही हैं।

स्थापना दिवस पर गूंजा वंदे मातरम

पंडित शंभूनाथ शुक्ला यूनिवर्सिटी ने गाड़े कामयाबी के झंडे

शहडोल। अंचल के गौरव और शिक्षा के सबसे बड़े केंद्र पंडित शंभूनाथ शुक्ला विश्वविद्यालय ने अपनी स्थापना के नौ साल गौरवशाली तरीके से पूरे कर लिए हैं। विश्वविद्यालय का 9वाँ स्थापना दिवस कैंपस में बेहद भव्य, गरिमामय और सांस्कृतिक उल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का शंखनाद कुलगुरु प्रो. रामशंकर ने यूनिवर्सिटी के नामदाता पंडित शंभूनाथ शुक्ला की प्रतिमा पर माल्यार्पण और ज्ञान की देवी माँ सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया। संगीत विभाग की सुरीली सरस्वती वंदना और कुलगीत ने पूरे माहौल को एकाग्र कर दिया।<स्थापना दिवस के इस ऐतिहासिक मौके पर कुलगुरु प्रो. रामशंकर ने अपने धारदार और प्रेरक उद्बोधन से छात्र-छात्राओं में नया जोश फूंक दिया। उन्होंने यूनिवर्सिटी की 9 साल की विकास यात्रा का लेखा-जोखा पेश करते हुए कहा कि बहुत कम समय में इस संस्थान ने शिक्षा, रिसर्च, इनोवेशन और कौशल विकास में नए कीर्तिमान स्थापित किए हैं। कुलगुरु ने छात्रों को साफ संदेश देते हुए कहा शिक्षा को केवल नौकरी पाने का जरिया मत बनाओ, इसे ज्ञान, चरित्र निर्माण और सामाजिक जिम्मेदारी से जोड़ो। नई शिक्षा नीति के तहत हमारी यूनिवर्सिटी भारतीय ज्ञान परंपरा, मातृभाषा और हाईटेक रिसर्च को बढ़ावा देकर युवाओं को वैश्विक चुनौतियों के लिए फौलाद बना रही है। उन्होंने शिक्षकों और स्टाफ की पीठ थपथपाते हुए कहा कि सामूहिक ताकत के दम पर ही आज इस संस्थान ने अपनी विशिष्ट पहचान बनाई है।

विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. प्रमोद पाण्डेय ने यूनिवर्सिटी की भावी और महत्वाकांक्षी योजनाओं का खाका खींचा। उन्होंने कहा कि स्थापना दिवस केवल जश्न का नहीं, बल्कि आत्ममंथन और नए संकल्पों के साथ आगे बढऩे का दिन है। कार्यक्रम में परिसर प्रभारी प्रो. प्रवीण शर्मा और डॉ. बृजेन्द्र पाण्डेय की खास मौजूदगी रही, जबकि पूरे कार्यक्रम का शानदार संचालन डॉ. आदर्श तिवारी ने किया। सांस्कृतिक मंच पर संगीत विभाग के डॉ. संजीव द्विवेदी, शिवांश दुबे, कृष्णा साहू, वर्तिका सेन और साक्षी ने अपनी प्रस्तुतियों से ऐसा समां बांधा कि पूरा हॉल तालियों की गडग़ड़ाहट से गूंज उठा। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रभक्ति से ओतप्रोत वंदे मातरम् के सामूहिक गायन के साथ हुआ, जहां पूरे विश्वविद्यालय परिवार ने शिक्षा की गुणवत्ता और राष्ट्र निर्माण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को एक बार फिर दोहराया।

41 साल का निष्कलंक खाकी का सफर, विदाई पर छलकीं आंखें

शहडोल।

खाकी की नौकरी में 41 साल गुजार देना और वो भी पूरी ईमानदारी और बेदाग छवि के साथ—यह हर किसी के बस की बात नहीं। शहडोल पुलिस महकमे के तीन ऐसे ही जांबाज सूरमाओं ने अपनी जिंदगी के करीब चार दशक से ज्यादा का वक्त जनता की सेवा और अपराधियों पर नकेल कसने में खपा दिया। 30 मई 2026 को अपनी अधिवार्षिकी आयु पूरी कर सम्मान के साथ सेवानिवृत्त हुए इन तीन पुलिस अधिकारियों को पुलिस कप्तान (एसपी) शहडोल ने भावभीनी विदाई दी। पुलिस कार्यालय में आयोजित एक गरिमामयी और भावुक विदाई समारोह में एसपी ने तीनों अधिकारियों की दीर्घकालिक, उत्कृष्ट और निष्ठावान सेवाओं की खुले दिल से सराहना की। उन्होंने कहा कि पुलिस की नौकरी कांटों का ताज है, जिसे इन अधिकारियों ने पूरी मुस्तैदी से पहना और आज ससम्मान महकमे से विदा हो रहे हैं।

कासउनि इंद्रभान सिंह सिरगोरः इन्होंने खाकी को अपनी जिंदगी के सबसे स्वर्णिम 41 वर्ष, 08 माह और 30 दिन दिए। इस लंबी पारी में इन्होंने कोतवाली, ब्यौहारी, मानपुर, जयसिंहनगर जैसे संवेदनशील थानों सहित परिवहन विभाग में भी अपनी कार्यकुशलता का लोहा मनवाया। कासउनि प्रताप सिंह धुर्वेः पूरे 41 वर्ष, 08 माह और 13 दिन तक जनता की सुरक्षा में तैनात रहे। धुर्वे जी ने कोतमा, अजाक, खैरहा, जैतपुर, गोहपारू थानों के अलावा यातायात शाखा में रहकर शहर की बिगड़ी ट्रैफिक व्यवस्था को सुधारने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

कासउनि हीरा सिंहः इन्होंने भी 41 वर्ष, 08 माह और 13 दिन की बेदाग सेवा पूरी की। बुढार, जयसिंहनगर थानों और एसडीओपी कार्यालय धनपुरी में तैनात रहकर इन्होंने जटिल मामलों को सुलझाने में अपनी धारदार सूझबूझ का परिचय दिया।

विदाई के इस ऐतिहासिक पल में पुलिस अधीक्षक ने तीनों सेवानिवृत्त अधिकारियों को शाल, श्रीफल, पुलिस स्मृति चिन्ह और प्रशस्ति पत्र भेंट कर उनके त्याग और समर्पण को सलाम किया। एसपी ने कहा कि इन अधिकारियों का अमूल्य योगदान नए पुलिसकर्मियों के लिए हमेशा एक नजीर रहेगा। शहडोल पुलिस परिवार ने उनके स्वस्थ, दीर्घायु और सुखमय भविष्य की कामना की। इस बेहद भावुक क्षण में जब जांबाजों को विदाई दी जा रही थी, तो वहां मौजूद उनके परिजनों की आंखें भी गर्व और खुशी से नम हो गईं। इस विदाई समारोह में डीएसपी (मुख्यालय) शहडोल, रक्षित निरीक्षक, पुलिस अधीक्षक कार्यालय का समस्त स्टाफ और सेवानिवृत्त अधिकारियों के परिवारजन मौजूद रहे, जिन्होंने करतल ध्वनि से इन हीरोज को अंतिम सलामी दी।

सडक़ पर उतरी कांग्रेसः फूंका मुख्यमंत्री का पुतला!

शहडोल।

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री द्वारा प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष के खिलाफ की गई कथित अमर्यादित और अभद्र टिप्पणी को लेकर सियासत पूरी तरह गर्मा गई है। इस जुबानी जंग के विरोध में शहडोल जिला कांग्रेस ने सडक़ पर उतरकर आर-पार की लड़ाई का शंखनाद कर दिया है। मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के आह्वान और जिला अध्यक्ष अजय अवस्थी के कड़े तेवरों के बीच, सोहागपुर ब्लॉक अध्यक्ष प्रीतमदास सोनी के नेतृत्व में कांग्रेसियों ने मुख्यमंत्री का पुतला दहन कर अपना उग्र विरोध दर्ज कराया।

पुतला दहन के दौरान आक्रोशित कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए जिला अध्यक्ष अजय अवस्थी ने सरकार को आड़े हाथों लिया। उन्होंने तीखे शब्दों में कहा कि एक जिम्मेदार विपक्ष के मुखिया के खिलाफ ऐसी घटिया और अमर्यादित भाषा का इस्तेमाल करना मुख्यमंत्री की हताशा को दर्शाता है। यह लोकतांत्रिक मूल्यों और राजनीतिक शुचिता का खुला मर्डर है। लोकतंत्र में वैचारिक मतभेद स्वीकार्य हैं, लेकिन व्यक्तिगत कीचड़ उछालना किसी भी मुखिया को शोभा नहीं देता। श्री अवस्थी ने सीधे वार करते हुए कहा कि आज प्रदेश की जनता महंगाई से त्रस्त है, युवा बेरोजगारी का दंश झेल रहे हैं, किसान अपनी बदहाली पर आंसू बहा रहे हैं और कानून व्यवस्था पूरी तरह वेंटिलेटर पर है। भाजपा सरकार के पास इन ज्वलंत मुद्दों का कोई जवाब नहीं है, इसलिए वे विपक्ष पर निजी हमले कर राजनीतिक संवाद के स्तर को गर्त में ले जा रहे हैं।

मुख्य प्रवक्ता पीयूष शुक्ला द्वारा दी गई जानकारी के मुताबिक, प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं का गुस्सा सातवें आसमान पर था। भाजपाइयों और मुख्यमंत्री के खिलाफ जमकर गगनभेदी नारेबाजी की गई और देखते ही देखते मुख्यमंत्री के पुतले को आग के हवाले कर दिया गया। कांग्रेस ने साफ लहजे में चेतावनी दी है कि जब तक मुख्यमंत्री इस अमर्यादित आचरण के लिए सार्वजनिक रूप से माफी नहीं मांगते, उनका यह उग्र आंदोलन थमेगा नहीं। इस दौरान जिला कांग्रेस के तमाम दिग्गज पदाधिकारियों सहित ब्लॉक कांग्रेस, यूथ कांग्रेस, महिला कांग्रेस और एनएसयूआई के सैकड़ों जांबाज कार्यकर्ता पूरी ताकत के साथ मैदान में डटे रहे।

पुलिस ने आधी रात में 167 वारंटी दबोचे

शहडोल।

अपराधियों और बदमाशों के सुरक्षित दिन अब लद चुके हैं। पुलिस कप्तान (एसपी) के कड़े और सीधे आदेश पर शहडोल पुलिस ने बीती 30/31 मई की दरम्यानी रात पूरे जिले में ऐसा चक्रव्यूह रचा कि बदमाशों को भागने का मौका तक नहीं मिला। विशेष कॉम्बिंग गश्त के तहत चली इस ताबड़तोड़ कार्रवाई में पुलिस ने एक ही रात में रिकॉर्ड 167 लंबित वारंटियों को दबोचकर जेल की सलाखों के पीछे भेज दिया है। आधी रात को जब पूरा शहर सो रहा था, तब जिले के सभी राजपत्रित अधिकारी, थाना प्रभारी और भारी पुलिस बल सडक़ों पर मुस्तैद था। पुलिस की स्पेशल टीमों ने एक साथ तडक़े तक गुंडा-बदमाशों के ठिकानों, होटलों, लॉज और ढाबों पर ताबड़तोड़ छापेमारी की। इस महा-अभियान का मुख्य फोकस गंभीर वारदातों में लंबे समय से फरार चल रहे शातिर आरोपियों और महिला संबंधी अपराधों के आदतन अपराधियों पर था। एक ही रात में 167 वारंट तामील करना शहडोल पुलिस की अब तक की सबसे बड़ी और धारदार कामयाबी मानी जा रही है। इस हडक़ंप मचाने वाली कार्रवाई से पूरे जिले के असामाजिक तत्वों में खौफ पसर गया है। पुलिस अधीक्षक ने साफ और कड़े शब्दों में चेतावनी दी है कि जिले में अमन-चैन से खिलवाड़ करने वाले अपराधियों पर नकेल कसने के लिए ऐसी सर्जिकल स्ट्राइक आगे भी लगातार जारी रहेगी।

किसानों को आधुनिक तरीके से खेती करने की दी गई जानकारी, ग्राम चरका में हरी खाद जागरूकता संगोष्ठी कार्यक्रम एवं किसान सम्मलेन हुआ आयोजित

शहडोल।

राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के अंतर्गत हरी खाद के प्रति जागरूकता विकासखंड ब्यौहारी के ग्राम चरका में मेला सह संगोष्ठी एवं किसान सम्मलेन का सफल आयोजन किया गया साथ ही कार्यक्रम में उपस्थित किसानों को 11 बजे से प्रधानमंत्री के मन की बात के प्रसारण को सुनाया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य मिट्टी की उर्वरा शक्ति को बढ़ाना एवं रासायनिक उर्वरकों के उपयोग को कम करना है तथा अनुभवी कृषकों से चर्चा कराना था। इस कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों, अधिकारिया एवं किसानों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया।

सहायक संचालक कृषि अनुराग पटेल के द्वारा अवगत कराया गया कि जिले में राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती मिशन एवं परंपरागत कृषि विकास योजना संचालित है। योजना से हजारों किसानों को जोड़ा गया है। कार्यक्रम में उपस्थित कृषि विशेषज्ञ डॉ नितिन सिंघाई ने हरी खाद, धान की एस.आर.आई पद्धति, गोबर एवं जैविक खाद तैयार करने की वैज्ञानिक विधि के बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी दी गई। उन्होंने बताया कि गोबर की खाद तैयार करने के लिए तीन गड्ढे रखने चाहिए। पहला गड्ढा भर जाय तो उसे मोटी मिट्टी की परत से ढक देना चाहिए। उसमें रासायनिक क्रिया होती है खरपतवार के बीज आदि नष्ट हो जाते है। पकी गोबर की खाद में बदबू नहीं आती है। गोबर एवं हरी खाद के उपयोग से यूरिया और डीएपी जैसे महंगे रासायनिक उर्वरकों पर निर्भरता कम होती है तथा लागत में कमी आती है।

कार्यक्रम में प्रगतिशील कृषक वाल्मीकि कुशवाहा के द्वारा अपने कृषि के अनुभवों को कृषकों से साझा करते हुए बताया गया कि ड्रिप से सिंचाई एवं मलचिंग का उपयोग कर शब्जी की खेती करते। गोबर की खाद तैयार कर खेत में उपयोग करते हैं। कार्यक्रम में जिला पंचायत एवं कृषि स्थाई समिति शहडोल के सदस्य पुष्पेंद्र सिंह पटेल, सरपंच बनवारी लाल, उप सरपंच सुनील द्विवेदी, सहित अन्य जनप्रतिनिधि, अधिकारी एवं ग्रामवासी मौजूद रहें।

खबर संक्षेप

फलों के राजा आम की हो रही बंपर बिक्री

कोतमा। गर्मियों के मौसम में फलों के राजा आम की बंपर बिक्री हो रही है। इस समय नगर के बाजारों में आंध्र प्रदेश से आने वाले सफेदा (बंगनपल्ली) और ओडिशा के सुवर्णरेखा जैसे आम छाए हुए हैं, जो अपनी मिठास और बेहतरीन स्वाद के लिए ग्राहकों की पहली पसंद बने हुए हैं। भारत में आम की लगभग 1500 से अधिक किस्में पाई जाती हैं, जिनमें दक्षिण भारतीय किस्मों की अपनी एक अलग पहचान है आंध्र प्रदेश और ओडिशा जैसे राज्यों से भारी मात्रा में आम की खेप नगर की मंडियों तक पहुंच रही है, जिससे आम प्रेमियों को इस साल बेहतरीन वेरायटी खाने को मिल रही है। नगर के थोक फल विक्रेता जमशेद ने बताया कि इस साल फलो के राजा आम की बिक्री जोरदार हो रही है प्रतिदिन आंध्र प्रदेश एवं उड़ीसा प्रांत से आम की गाड़ियां मंडी मे आ रही है जिसकी बिक्री भी जमकर हो रही है। जमशेद ने बताया कि थोक मंडी मे बादाम 40-50 रूपये, दशहरी 40-50 रूपये, तोता परी 30-35 रूपये एवं लगडा आम 35-40 भाव मे बिक रहा है।

चाचा पर चाकू से हमला करने वाला गिरफ्तार

कटनी। एनकेजे थाना पुलिस ने हत्या के प्रयास के मामले में आरोपी को घटना के कुछ ही घंटों के भीतर गिरफ्तार कर लिया। आरोपी ने पारिवारिक रंजिश के चलते अपने रिश्ते के चाचा पर चाकू से हमला किया था। पुलिस के अनुसार 29 मई की रात घायल भोलू उर्फ भगवानदास जायसवाल को जिला अस्पताल लाया गया। घायल ने बताया कि तिलक कॉलेज क्षेत्र स्थित महामाया कॉलोनी के पास उसकी अपने भतीजे अभिषेक जायसवाल से पुरानी रंजिश को लेकर कहासुनी हो गई। विवाद बढ़ने पर अभिषेक ने चाकू से उसके पेट में वार कर दिया।घटना की रिपोर्ट पर एनकेजे थाना में प्रकरण दर्ज कर विवेचना शुरू की गई। पुलिस ने घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाले, जिनमें आरोपी की पहचान हुई। इसके बाद पुलिस ने आरोपी अभिषेक जायसवाल 23 वर्ष निवासी महामाया कॉलोनी को उसके घर के पास से गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में उसने अपराध स्वीकार कर लिया। पुलिस ने घटना में प्रयुक्त धारदार चाकू भी बरामद कर लिया है।जांच में सामने आया कि आरोपी और घायल के बीच पिछले दो वर्षों से मनमुटाव चल रहा था। इसी रंजिश के चलते वारदात को अंजाम दिया गया। आरोपी को न्यायालय में पेश कर जिला जेल भेज दिया गया।

एक तरफ नवंबर-दिसंबर में अवैतनिक करने की कार्रवाई

अनुविभागीय अधिकारी के दो फैसले खड़े कर रहे गंभीर प्रशासनिक सवाल

कार्यालयीन आदेशों का महा-अंतर्विरोध

शहडोल। शासकीय सेवा में प्रशासनिक आदेशों की स्पष्टता और विधिक शुद्धता सर्वोपरि मानी जाती है। यदि एक ही सक्षम अधिकारी के हस्ताक्षर से जारी दो अलग-अलग आदेशों में समय-अवधि को लेकर ऐसा विरोधाभास सामने आए जो समझ से परे हो, तो व्यवस्था की कार्यप्रणाली पर सवाल उठना लाजिमी है। ऐसा ही एक दिलचस्प और विधिक रूप से उलझा हुआ मामला कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) जयसिंहनगर से सामने आया है, जहां पटवारी रमेश पटेल के संबंध में जारी दो आदेशों की तिथियां और वस्तुस्थिति आपस में मेल नहीं खा रही हैं। इन शासकीय दस्तावेजों का बारीक विश्लेषण करने पर यह साफ झलकता है कि आदेश जारी करने से पूर्व तथ्यों का शायद उस गंभीरता से परीक्षण नहीं किया गया, जिसकी अपेक्षा एक अनुविभागीय दंडाधिकारी व राजस्व अधिकारी से की जाती है।

16 जनवरी 2026 को नवंबर-दिसंबर का वेतन काटा

सामने आए शासकीय पत्र (पृ.क्र./34/आ.का./2026, दिनांक 16/01/2026) के अनुसार, अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) जयसिंहनगर द्वारा मध्य प्रदेश सिविल सेवा अवकाश नियम 1977 के तहत एक आदेश जारी किया गया था। इस पत्र में उल्लेख है कि पटवारी रमेश पटेल को तहसीलदार जयसिंहनगर के आदेश दिनांक 13 नवम्बर 2025 द्वारा तहसील अंतर्गत ऑफिस कानूनगो शाखा में संलग्न किया गया था। आदेश के मुताबिक, कर्तव्य पर लगातार अनुपस्थित रहने के कारण तहसीलदार द्वारा दिनांक 24 नवम्बर 2025 और

26 दिसम्बर 2025 को पटवारी को लिखित स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने हेतु पत्र जारी किए गए। चूंकि 30 दिसंबर 2025 तक पटवारी रमेश पटेल द्वारा अपनी अनुपस्थिति के संबंध में न तो कोई जानकारी दी गई और न ही कोई अभिलेख प्रस्तुत किए गए, इसलिए एसडीएम कार्यालय ने इस अनुपस्थिति को आधार मानते हुए माह नवंबर 2025 एवं दिसंबर 2025 (पूर्ण दो माह) की अवधि के लिए पटवारी का सेवा काल अवैतनिक घोषित कर दिया। यह आदेश प्रशासनिक दृष्टि से पूर्णतः स्पष्ट था कि नवंबर और दिसंबर 2025 में उक्त कर्मचारी संलग्न था और अनाधिकृत रूप से अनुपस्थित था, जिसके कारण उसका वेतन रोका गया।

... जहां से शुरू हुआ विरोधाभास

अब बात करते हैं दूसरे शासकीय पत्र क्रमांक/प्रवा/स्था/2026/241, दिनांक 02 मार्च 2026 की, जिसने पूरी प्रशासनिक व्यवस्था और पूर्व के आदेश पर एक बड़ा प्रश्नचिह्न लगा दिया है। इस पत्र के माध्यम से अनुविभागीय अधिकारी

(राजस्व) जयसिंहनगर द्वारा उसी पटवारी रमेश पटेल को बहाल करने का आदेश जारी किया गया। इस बहाली आदेश की शुरुआती लाइनों में ही लिखा गया है कि कार्यालयीन आदेश क्रमांक/प्रवा/स्था/2025/757 दिनांक 12/09/2025 से पटवारी रमेश पटेल को निलंबित किया गया है। आगे इसी पत्र में मध्य प्रदेश सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण तथा अपील) नियम 1966 के नियम 14(2) के अंतर्गत विभागीय जांच संस्थित करते हुए उन्हें तहसील जयसिंहनगर के राजस्व निरीक्षक मंडल अमझोर अंतर्गत पटवारी हल्का 78-जगड़ा (गु0) में पदस्थ करते हुए निलंबन से बहाल कर दिया गया।

जब कर्मचारी निलंबित था, तो अवैतनिक कैसे

इन दोनों पत्रों का एक साथ अवलोकन करने पर जो सबसे बड़ा तार्किक और विधिक अंतर्विरोध उभरता है, वह यह है कि यदि पटवारी रमेश पटेल 12 सितंबर 2025 से ही निरंतर निलंबित चल रहे थे जैसा कि 02 मार्च 2026 के आदेश में दावा

किया गया है, तो फिर 16 जनवरी 2026 को जारी आदेश में उन्हें नवंबर और दिसंबर 2025 में ऑफिस कानूनगो शाखा में संलग्न और कर्तव्य से अनुपस्थित बताकर अवैतनिक क्यों और किस नियम के तहत किया गया।

यह कहते है कानून के जानकार

एक निलंबित कर्मचारी को किसी शाखा (जैसे ऑफिस कानूनगो शाखा) में सामान्य रूप से कार्य करने के लिए संलग्न नहीं किया जा सकता, उसे केवल एक निश्चित मुख्यालय नियत किया जाता है जहाँ उसे उपस्थिति दर्ज करानी होती है। निलंबन की अवधि में कर्मचारी शासकीय सेवा से अलग रहता है और वह नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ते का हकदार होता है। जब वह पहले से ही 12 सितंबर 2025 से निलंबित था, तो 16 जनवरी 2026 को उस पर कर्तव्य पर अनुपस्थित रहने का नियम लगाकर नवंबर-दिसंबर का वेतन पूरी तरह अवैतनिक कैसे घोषित किया जा सकता है।

क्या बिना फाइलों के मिलान के जारी होते हैं आदेश

यह विरोधाभास सीधे तौर पर अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) कार्यालय की कार्यशैली और वहां के बाबू/रीडर शाखा की गंभीर लापरवाही को उजागर करता है। ऐसा प्रतीत होता है कि जब जनवरी में अवैतनिक करने का आदेश जारी किया जा रहा था, तब कार्यालय यह भूल गया कि उक्त कर्मचारी सितंबर से निलंबित है और जब मार्च में निलंबन से बहाली का आदेश जारी किया गया, तब यह ध्यान नहीं दिया गया कि जनवरी में ही इसी अवधि को अवैतनिक घोषित किया जा चुका है। एक ही समय-अवधि (नवंबर-दिसंबर 2025) के लिए एक आदेश कहता है कि कर्मचारी अनुपस्थित था इसलिए अवैतनिक किया जाता है और दूसरा आदेश यह प्रमाणित करता है कि कर्मचारी उस दौरान निलंबित था। यह विधिक विरोधाभास न केवल शासकीय कार्यप्रणाली का मजाक उड़ाता है, बल्कि ऐसे त्रुटिपूर्ण आदेशों के कारण भविष्य में शासन को भी कानूनी उलझनों का सामना करना पड़ सकता है।

विरोधी पत्रों पर हस्ताक्षर

जयसिंहनगर का यह मामला यह सोचने पर मजबूर करता है कि आखिर जिम्मेदार कुर्सियों पर बैठे आला अधिकारी बिना पिछली फाइलों और आदेशों का मिलान किए, इस प्रकार के परस्पर विरोधी पत्रों पर हस्ताक्षर कैसे कर देते हैं? क्या वरिष्ठ अधिकारियों के पास अपने ही अधीन जारी होने वाले आदेशों के परीक्षण का समय नहीं है या फिर पूरा तंत्र सिर्फ लकीर के फकीर की तरह काम कर रहा है? इस पूरे कागजी फेरबदल पर अब जिला स्तर के वरिष्ठ अधिकारियों के हस्तक्षेप और स्पष्टीकरण की दरकार है।

खबर का असरः हरिभूमि की रिपोर्ट पर जागा प्रशासन

छपडौर चेकडैम घोटाले की जांच के लिए टीम गठित

मानपुर। भ्रष्टाचार के खिलाफ हरिभूमि की खबर का एक बार फिर बड़ा असर हुआ है। ग्राम पंचायत छपडौर में विकास के नाम पर हुए लाखों रुपये के बंदरबांट की खबर प्रमुखता से प्रकाशित होने के बाद, कुंभकर्णी नींद में सोए जनपद पंचायत मानपुर के आला अधिकारियों को आखिरकार जागना ही पड़ा। धखोदर रोड स्थित नउवा ढोढ नदी पर बने चेकडैम में हुए महाघोटाले की परतें खोलने के लिए प्रशासन ने आनन-फानन में एक उच्च स्तरीय जांच टीम का गठन कर दिया है। हालांकि, इस पूरे मामले में अफसरों की सुस्ती और अपनों को बचाने की जुगत भी साफ दिखाई दे रही है।

जमीन पर 5 लाख का ढांचा

मामला ग्राम पंचायत छपडौर का है, जहां 15वें वित्त आयोग की राशि से करीब एक वर्ष पहले नउवा ढोढ नदी पर एक चेकडैम का निर्माण कराया गया था। सरकारी दस्तावेजों में इस निर्माण कार्य की कुल लागत 15 लाख दर्ज है, लेकिन धरातल पर जो हकीकत है, उसे देखकर किसी का भी माथा ठनक जाएगा। निर्माण कार्य में मुश्किल से 5 से 7 लाख रुपये ही खर्च किए गए हैं, जबकि बाकी के लाखें रुपये गायब हैं। इस तथाकाथत विकास काय म न ता क्रास बारयर का अता-पता है और न ही रिटर्न वॉल बनाई गई है। घटिया निर्माण की पराकाष्ठा यह है कि ठेकेदारी चमकाने के लिए नदी से ही अवैध रेत की चोरी कर धड़ल्ले से इस्तेमाल की गई। ग्रामीणों का आरोप है कि आधा पैसा बचाकर सीधे ग्राम पंचायत से लेकर जनपद पंचायत के भ्रष्ट साहबों की जेबें गर्म की गई हैं। पारदर्शिता का जनाजा इस कदर निकला है कि सालभर बीत जाने के बाद भी निर्माण स्थल पर सूचना बोर्ड तक नहीं लगाया गया, ताकि जनता को लागत का पता न चल सके।

सरपंच पति के भरोसे पंचायत

छपडौर पंचायत में लोकतंत्र का एक और घिनौना रूप देखने को मिल रहा है, जहां सरपंच कोई और है और सरपंची कोई और कर रहा है। जब इस महाघोटाले पर महिला सरपंच से जवाब मांगा गया, तो उनके स्थान पर उनके पति संपत कोरी सामने आ गए और हमेशा की तरह एकीकृत एस्टीमेट देखकर बताएंगे का रटा-रटाया राग अलापने लगे। हद तो तब हो गई जब पंचायत के सचिव अयोध्या राय से बात की गई। सचिव साहब को यह तो याद है कि काम पिछले साल 15 लाख की लागत से हुआ था, लेकिन जब उनसे पूछा गया कि जांच के लिए टीम गठित हो चुकी है, तो उन्होंने साफ कह दिया कि हमें तो मालूम ही नहीं है। यह बयान अपने आप में हास्यास्पद है कि जिस पंचायत की जांच होने जा रही है, उसी के जिम्मेदार अधिकारी को इसकी भनक तक नहीं है।

टीम तो बनी है, पर कौन है?

हरिभूमि की खबर के बाद मचे हडक़ंप पर जब

बिना रॉयल्टी चोरी की रेत से बने स्टॉप डैम

जनपद पंचायत में पदस्थ एपीओ राजेश जाटव से सवाल किए गए, तो उन्होंने जांच टीम गठित होने की पुष्टि तो की, लेकिन साहब का कहना है कि जांच टीम में कौन-कौन शामिल है, यह फाइल देखकर ही बता पाएंगे। आखिर जांच का यह पत्र अब तक सार्वजनिक क्यों नहीं किया गया? टीम में कौन-कौन से अधिकारी हैं और वे कितने दिनों में जांच पूरी कर रिपोर्ट सौंपेंगे, इस पर रहस्य का पर्दा क्यों डाला जा रहा है? क्या यह जांच सिर्फ मामले को ठंडे बस्ते में डालने और हरिभूमि के खुलासे के बाद मचे बवाल को शांत करने का एक प्रशासनिक पैंतरा है। ग्रामीणों ने अब आर-पार की लड़ाई का मूड बना लिया है। देखना यह है कि जांच टीम सिर्फ कागजी खानापूर्ति करती है या फिर छपडौर पंचायत के इस चेकडैम घोटाले के असली मगरमच्छों को बेनकाब कर सलाखों के पीछे भेजती है। हरिभूमि की नजर इस जांच की हर एक फाइल पर बनी रहेगी।

इनका कहना है...

जांच टीम में दो तीन लोग हैं फाइल देखकर ही बता पाएंगे।

राजेश जाटव
एपीओ
जनपद पंचायत मानपुर

जनगणना कार्य में बेहतर प्रदर्शन करने वाले अधिकारी-कर्मचारी हुए सम्मानित

समर्पण और सहयोग से तय समय से पहले पूर्ण हुआ जनगणना कार्यः कलेक्टर श्रीमती सहाय

उमरिया। जिले में जनगणना के अंतर्गत मकानसूचीकरण कार्य निर्धारित समय से पूर्व सफलतापूर्वक पूर्ण होने पर सोमवार को कलेक्टर सभागार में सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में कलेक्टर एवं प्रमुख जनगणना अधिकारी श्रीमती राखी सहाय ने जनगणना कार्य में उत्कृष्ट योगदान देने वाले चार्ज अधिकारियों एवं तहसील स्तरीय अधिकारियों को प्रमाण-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए श्रीमती राखी सहाय ने कहा कि सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों के समर्पण, टीम भावना और सक्रिय सहयोग के कारण मकानसूचीकरण का कार्य तय समय से पहले पूरा किया जा सका। उन्होंने जनगणना को शासन की महत्वपूर्ण एवं आधारभूत प्रक्रिया बताते हुए सभी संबंधित अधिकारियों-कर्मचारियों की सराहना की तथा भविष्य में भी

इसी प्रतिबद्धता के साथ कार्य करने की अपेक्षा व्यक्त की। उन्होंने कहा कि उमरिया जिले की यह उपलब्धि पूरी टीम की मेहनत और समन्वय का परिणाम है।

जिला जनगणना अधिकारी एवं अपर कलेक्टर प्रमोद कुमार सेन गुप्ता ने बताया कि मकानसूचीकरण कार्य के लिए जिले में 12 चार्ज अधिकारियों की नियुक्ति की गई थी। इस कार्य में 1203 प्रगणकों और 204 सुपरवाइजरों की सेवाएं ली गईं, जिनके माध्यम से 1412 हाउस लिस्टिंग ब्लॉक (एचएलबी) का कार्य पूर्ण किया गया। उन्होंने चार्ज अधिकारियों, मास्टर ट्रेनरों, पटवारियों तथा शिक्षकों के योगदान की सराहना करते हुए भविष्य में भी इसी प्रकार सहयोग बनाए रखने का आह्वान किया।

सम्मान समारोह के दौरान कलेक्टर एवं प्रमुख जनगणना अधिकारी श्रीमती राखी सहाय ने जिला जनगणना अधिकारी एवं अपर कलेक्टर प्रमोद कुमार सेन गुप्ता,एसडीएम मानपुर हरनीत कौर कलसी, एसडीएम बांधवगढ़ अंबिकेश प्रताप सिंह,एसडीएम पाली मीनाक्षी इंगले,डिप्टी कलेक्टर एवं जिला जनगणना नोडल अधिकारी प्रत्यूष श्रीवास्तव, अजय सिंह रजावत पर्यवेक्षक जनगणना जिला उमरिया सहित विभिन्न चार्ज अधिकारियों एवं तहसील स्तरीय अधिकारियों को प्रमाण-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया।कार्यक्रम का संचालन मास्टर ट्रेनर सुशील मिश्रा ने किया।

कलेक्टर की अध्यक्षता में बाढ़ आपदा प्रबंधन की बैठक संपन्न

उमरिया। आगामी वर्षा ऋतु को देखते हुए जिले में संभावित अतिवृष्टि एवं बाढ़ की स्थिति से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय की अध्यक्षता में कलेक्टर सभागार में बाढ़ आपदा प्रबंधन की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न विभागों की तैयारियों की समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि जिला स्तर पर कंट्रोल रूम स्थापित कर अधिकारियों एवं कर्मचारियों की ड्यूटी निर्धारित की जाए। कंट्रोल रूम के प्रभारी अधीक्षक भू-अभिलेख उमरिया होंगे। उन्होंने कहा कि आपदा संबंधी सूचनाओं के त्वरित आदान-प्रदान के लिए संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को प्रशिक्षण भी दिया जाए। बैठक में नगर क्षेत्रों में नालों एवं नालियों की समयबद्ध सफाई, बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों की पहचान, सुरक्षित स्थलों का चिन्हांकन, जन-जागरूकता अभियान तथा आवश्यक राहत सामग्री की उपलब्धता सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया गया। मुख्य नगर पालिका अधिकारी को वर्षा पूर्व सभी नालों और नालियों की सफाई कराने के निर्देश दिए गए। कलेक्टर ने मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को वर्षा काल के दौरान आवश्यक दवाओं की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने तथा पशु चिकित्सा विभाग को पशु महामारी एवं पशुजनित रोगों की रोकथाम के लिए दवाओं का पर्याप्त भंडारण रखने के निर्देश दिए। साथ ही जलजनित एवं संक्रामक रोगों की रोकथाम के लिए कार्ययोजना तैयार करने को कहा।

उन्होंने लोक निर्माण एवं संबंधित विभागों को जर्जर भवनों, पुलों और रपटों की मरम्मत वर्षा प्रारंभ होने से पहले पूर्ण करने के निर्देश दिए। जिला शिक्षा अधिकारी को स्पष्ट निर्देश दिए गए कि किसी भी जर्जर भवन में विद्यालय संचालित न किए जाएं। इसी प्रकार शासकीय कार्यालय भी असुरक्षित भवनों में संचालित नहीं किए जाएंगे।

कलेक्टर ने तालाबों, नदियों और नालों के किनारे बसे संवेदनशील क्षेत्रों की पहचान कर वहां रहने वाले लोगों के सुरक्षित विस्थापन की पूर्व तैयारी करने को कहा। विशेष रूप से बाणसागर परियोजना के आसपास स्थित उन गांवों पर ध्यान देने के निर्देश दिए गए जहां बरसात के दौरान जलभराव की स्थिति बनती है। ऐसे क्षेत्रों के लिए सुरक्षित आश्रय स्थलों का चयन कर आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने को कहा गया। बैठक में आकाशीय बिजली से बचाव के उपायों पर भी चर्चा हुई। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि लोगों को वर्षा के दौरान पेड़ों के नीचे शरण न लेने सहित अन्य सुरक्षा उपायों के प्रति जागरूक किया जाए। अतिवृष्टि या बाढ़ की स्थिति में ग्राम कोटवारों के माध्यम से मुनादी कर लोगों को सतर्क करने के निर्देश भी दिए गए। उन्होंने मौसम संबंधी पूर्व चेतावनी प्राप्त करने के लिए दामिनी, मेघदूत, मौसम एवं पब्लिक ऑब्जर्वेशन जैसे मोबाइल एप्स के व्यापक प्रचार-प्रसार पर भी बल दिया।

माह के प्रथम कार्य दिवस कि वंदेमातरम गायन के साथ की गई शुरूआत

उमरिया । कलेक्ट्रेट परिसर में माह के प्रथम कार्य दिवस पर आयोजित होने वाले पारंपरिक वंदे मातरम् गायन कार्यक्रम का आयोजन कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय की उपस्थिति में गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में अपर कलेक्टर प्रमोद कुमार सेन गुप्ता, संयुक्त कलेक्टर रीता डेहरिया, एसडीएम बांधवगढ़ अंबिकेश प्रताप सिंह, एसडीएम पाली मीनाक्षी इंगले,डिप्टी कलेक्टर कमलेश नीरज, प्रत्यूष श्रीवास्तव सहित जिला प्रमुख अधिकारी उपस्थित रहे।

सडक किनारे बिना स्वच्छता व्यवस्था खुले में बेचा जा रहा सुअर का मांस

हरिभूमि न्यूज कोतमा। नगर के वार्ड क्रमांक सात अनुपपुर रोड बनिया टोला मे सड़क किनारे अवैध रूप से चल रही सुअर के मांस (पोर्क) की दुकानों को हटाने सड़क के किनारे बिना किसी स्वच्छता व्यवस्था एवं खुले वातावरण में मांस बेचा जा रहा है, जिससे आसपास गंदगी फैल रही है। सड़क किनारे सार्वजनिक रूप से सूअर के मांस की बिक्री किए जाने से स्थानीय लोगों में नाराजगी व्याप्त है। लोगों का कहना है की मुख्य सड़क के किनारे बिना किसी स्वच्छता व्यवस्था एवं खुले वातावरण में सूकर का मांस बेचा जा रहा है, जिससे आसपास गंदगी फैल रही है तथा राहगीरों को भी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। लोगों का कहना है कि यदि मांस बिक्री करनी है तो इसके लिए निर्धारित स्थान एवं स्वच्छ व्यवस्था सुनिश्चित की जानी चाहिए। पूर्व मे नगर पालिका के द्वारा सड़क किनारे लग रही सूकर के मांस दुकानों को अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही करने पहुंची जहां से नपा अमला वैरंग वापस आ गया। पूर्व मे नपा के द्वारा इन दुकानों को बंद करवा दिया गया था। लेकिन फिर से मुख्य सड़क किनारे दुकानदारों के द्वारा दुकान लगानी शुरू कर दिये थे। सोमवार को नगर पालिका का राजस्व एवं सफाई अमला तथा पुलिस की उपस्थिति मे नगर पालिका के द्वारा वार्ड क्रमांक सात बनिया टोला मुख्य मार्ग से सूकर के मांस की दुकानों को अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही करने पहुंची जहां

नपा अमले के द्वारा एक दुकान को हटाने की कार्यवाही कर ही रहे थे कि उसी समय पूर्व विधायक सुनील सराफ मौके पर पहुंच गये और दुकानदारों के द्वारा नपा की कार्यवाही का विरोध कर रहे लोगों के साथ खड़े होते हुए कहा कि दुकाने हटाने की कार्यवाही नियम से की जाये पहले नोटिस जारी किया जाये उसके बाद ही हटाने की कार्यवाही की जाये उसके बाद नपा का अमला बिना अतिक्रमण हटाये ही वापस लौट गया।

खबर संक्षेप

चाचा पर चाकू से हमला करने वाला गिरफ्तार

कटनी। एनकेजे थाना पुलिस ने हत्या के प्रयास के मामले में आरोपी को घटना के कुछ ही घंटों के भीतर गिरफ्तार कर लिया। आरोपी ने पारिवारिक रंजिश के चलते अपने रिश्ते के चाचा पर चाकू से हमला किया था। पुलिस के अनुसार 29 मई की रात घायल भोलू उर्फ भगवानदास जायसवाल को जिला अस्पताल लाया गया। घायल ने बताया कि तिलक कॉलेज क्षेत्र स्थित महामाया कॉलोनी के पास उसकी अपने भतीजे अभिषेक जायसवाल से पुरानी रंजिश को लेकर कहासुनी हो गई। विवाद बढ़ने पर अभिषेक ने चाकू से उसके पेट में वार कर दिया।घटना की रिपोर्ट पर एनकेजे थाना में प्रकरण दर्ज कर विवेचना शुरू की गई। पुलिस ने घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाले, जिनमें आरोपी की पहचान हुई। इसके बाद पुलिस ने आरोपी अभिषेक जायसवाल 23 वर्ष निवासी महामाया कॉलोनी को उसके घर के पास से गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में उसने अपराध स्वीकार कर लिया। पुलिस ने घटना में प्रयुक्त धारदार चाकू भी बरामद कर लिया है।जांच में सामने आया कि आरोपी और घायल के बीच पिछले दो वर्षों से मनमुटाव चल रहा था। इसी रंजिश के चलते वारदात को अंजाम दिया गया। आरोपी को न्यायालय में पेश कर जिला जेल भेज दिया गया।पुलिस कार्रवाई में थाना प्रभारी रूपेंद्र राजपूत सहित थाना स्टाफ की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

एक माह के लिये बंद रहेगा साउथ स्टेशन पहुंच मार्ग

कटनी। एसीसी मार्ग से ऑर्डिनेंस फैक्ट्री होते हुए कटनी साउथ स्टेशन जाने वाला मार्ग में आज 1 जून से वाहनों का आवागमन पूरी तरह से प्रतिबंधित रहेगा जो 30 जून तक प्रभावित रहेगा। आयुध निर्माणी कटनी के जन-संपर्क कार्यालय द्वारा जारी की गई सूचना के अनुसार क्षेत्र में आरसीसी सड़क निर्माण का कार्य शुरू होने जा रहा है। निर्माण कार्य को सुचारू रूप से चलाने और यात्रियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए इस मार्ग को एक महीने के लिए अस्थायी रूप से बंद करने का निर्णय लिया गया है। आयुध निर्माणी इस्टेट के निवासियों, आम जनता और विशेषकर भारी वाहनों के चालकों से अपील की गई है कि वे इस अवधि के दौरान कटनी साउथ स्टेशन आने-जाने के लिए दूसरे वैकल्पिक मार्गों का इस्तेमाल करें। प्रशासन की ओर से कहा गया है कि निर्माण कार्य पूरा होने पर मार्ग को दोबारा जनता के आवागमन के लिए खोल दिया जाएगा।

किसान अपना पंजीयन फार्मर आईडी बनवाएं

बड़वारा। शासन आदेश के परिपालन में बड़वारा जनपद अंतर्गत ग्राम पंचायत मझगवां में 01, .02, 04 एवम 05 जून 2026 को आयोजित होने वाले विशेष शिविर में बी-1वाचन पीएम किसान योजना के छूटे हुए पात्र हितग्राहियों का पंजीयन तथा फार्मर आईडी निर्माण का कार्य किया जाएगा किसानों से अनुरोध है कि वे निर्धारित तिथि पर अपने आवश्यक दस्तावेज (आधार कार्ड, समग्र आईडी, मोबाइल नंबर, बैंक पासबुक एवं भूमि संबंधी दस्तावेज सहित ग्राम पंचायत मझगवां में उपस्थित होकर अपना कार्य पूर्ण करवाएं। पीएम किसान योजना हेतु ई केवाईसी तथा पात्रता सत्यापन भी आवश्यक है।आवश्यक दस्तावेज आधार कार्ड, मोबाइल नंबर, समग्र आईडी, बैंक पासबुक की फोटो कॉपी, भूमि खसरा संबंधित दस्तावेज।नोट- जिन पात्र किसानों के पीएम किसान सम्मान पंजीयन अथवा फार्मर आईडी अभी तक नहीं बनी है वे अनिवार्य रूप से शिविर में उपस्थित होकर अपना पंजीयन करवा लें ताकि किसी भी प्रकार की शासकीय योजना का लाभ प्राप्त करने में किसी भी प्रकार की परेशानी न होने पाए।

अलग अलग कारणों से दो व्यक्तियों की मौत

कटनी। ढीमरखेड़ा थाना क्षेत्र के ग्राम कछार निवासी 22 वर्षीय युवक सुखदास ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना की सूचना पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले को जांच में लिया है। इसी तरह ग्राम बड़कुर निवासी 45 वर्षीय मोले सिंह की ग्राम हल्का में पानी में डूबने से मौत हो गई।

कलेक्टर ने की विभागवार समीक्षा

सीएम हेल्पलाइन प्रकरणों के समयबद्ध निराकरण के निर्देश

उमरिया। कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय की अध्यक्षता में रविवार को कलेक्ट्रेट सभागार में समयसीमा बैठक आयोजित की गई। बैठक में सीएम हेल्पलाइन सहित विभिन्न विभागों के लंबित प्रकरणों की समीक्षा कर अधिकारियों को समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। कलेक्टर ने मुख्यमंत्री निवास, आयुक्त शहडोल संभाग कार्यालय से प्राप्त आवेदनों, जनसुनवाई, न्यायालयीन प्रकरणों, मानवाधिकार संबंधी पत्रों तथा फैक्ट न्यूज मामलों की विभागवार समीक्षा करते हुए कहा कि शिकायतों के निराकरण में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

राजस्व विभाग की समीक्षा के दौरान उन्होंने भू-अर्जन से जुड़े मामलों के शीघ्र निपटारे के निर्देश दिए। वहीं लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग (पीएचई) और जल निगम को पेयजल संबंधी शिकायतों का त्वरित समाधान करने को कहा। अनुकंपा नियुक्ति के लंबित प्रकरणों में तेजी लाकर पात्र व्यक्तियों को नियुक्ति प्रदान करने तथा संबल योजना के प्रकरणों का समय पर निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए।

कलेक्टर ने सभी संबंधित विभागों को भवन निर्माण पोर्टल पर निर्माण कार्यों का पंजीयन कराने तथा श्रम योगी मानधन योजना के तहत अधिक से अधिक श्रमिकों का पंजीकरण कराने के निर्देश दिए। अनुग्रह सहायता राशि से संबंधित प्रकरणों की समीक्षा करते हुए जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों को लंबित मामलों का शीघ्र निराकरण करने के लिए कहा गया। बैठक के दौरान कृषि विभाग की शिकायतों के निराकरण में खराब प्रगति और किसानों को योजनाओं का अपेक्षित लाभ नहीं मिलने पर कलेक्टर ने नाराजगी जताई।उन्होंने उपसंचालक कृषि विभाग को सुधारात्मक कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

वनमण्डलाधिकारी ने समीक्षा के दौरान बताया कि क्षेत्र में हाथियों की गतिविधियों को लेकर विशेष सतर्कता बरतने की आवश्यकता है। उन्होंने विभागों के बीच बेहतर समन्वय की सराहना करते हुए निर्देश दिए कि हाथियों की मूवमेंट के दौरान पटाखे न फोड़े जाएं और भीड़ एकत्रित न होने पाए। उन्होंने विद्युत विहीन गांवों की जानकारी विद्युत विभाग को उपलब्ध कराने के लिए जिला पंचायत से उपस्थित अधिकारी को निर्देशित किया ।

कलेक्टर ने की सीएम हेल्पलाइन एवं समय-सीमा पत्रों की समीक्षा

100 दिन से अधिक लंबित शिकायतों का प्राथमिकता से निराकरण के दिए निर्देश

शहडोल। कलेक्टर डॉ. केदार सिंह द्वारा सीएम हेल्पलाइन एवं समय-सीमा के पत्रों की विस्तारपूर्वक समीक्षा की गई। कलेक्टर डॉ. केदार सिंह ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सीएम हेल्पलाइन में 100 दिवस या उससे अधिक समय से लंबित शिकायतों का प्राथमिकता के साथ गुणवत्तापूर्ण एवं संतोषजनक निराकरण सुनिश्चित किया जाए। कलेक्टर ने कहा कि जिन विभागों में 100 दिन से ऊपर की शिकायतें लंबित हैं। संबंधित विभाग के अधिकारी इन शिकायतों की मानीटरिंग स्वयं करें। शिकायतों के निराकरण से संबंधित जवाब एल-1 अधिकारियों के माध्यम से अनिवार्य रूप से दर्ज कराएं।

उन्होंने यह भी कहा कि कोई भी शिकायत अनअटेंडेड न रहे। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि जो विभाग सी या डी श्रेणी में हैं वे सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों के निराकरण में प्रगति लाएं तथा ए श्रेणी में आने के लिए कार्य करें। लगातार सी एवं डी श्रेणी में आने वाले विभागों के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई के भी उन्होंने निर्देश दिए। जिन विभागों में शिकायतों की संख्या कम है, वहां शत-प्रतिशत निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए। बैठक में सीईओ जिला पंचायत शिवम प्रजापति, अपर कलेक्टर सरोधन सिंह, श्रीमती मिनीषा पाण्डेय, एसडीएम सोहागपुर श्रीमती अमृता गर्ग, डिप्टी कलेक्टर श्रीमती अन्तोनिआ एक्का, सुश्री अर्चना मिश्रा सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

युवा राष्ट्र की ऊर्जा, समाज एवं देश के विकास में अहम योगदान: कलेक्टर

कलेक्टर ने नशा मुक्ति की दिलाई शपथ, किया हस्ताक्षर

शहडोल। कलेक्टर डॉ. केदार सिंह ने विश्व तंबाकू निषेध दिवस के उपलक्ष्य में निकोटिन और तंबाकू की लत का आकर्षण बेनकाब करें की थीम पर जागरूकता कार्यक्रम के तहत कलेक्ट्रेट परिसर में उपस्थिति अधिकारियो एवं कर्मचारियो को नशा न करने की शपथ दिलाई। कलेक्टर ने शपथ दिलाते हुए कहा कि युवा किसी भी राष्ट्र की ऊर्जा होते हैं तथा युवाओं की शक्ति का समाज एवं देश के विकास में महत्वपूर्ण योगदान है। नशामुक्त भारत अभियान में सर्वाधिक संख्या में युवा जुड़े। देश की इस चुनौती को स्वीकार करते हुए हम आज नशामुक्त भारत अभियान के अंतर्गत एक जुट होकर प्रतिज्ञा करते हैं कि न केवल समुदाय, परिवार, मित्र, बल्कि स्वयं को भी नशामुक्त कराएँगे क्योंकि बदलाव की शुरुआत अपने आप से होनी चाहिए। इसलिए आइए हम सब मिलकर अपने ज़िले व राज्य को नशामुक्त कराने का दृढ निश्चय करें। साथ ही कलेक्टर डॉ. केदार सिंह सहित अन्य अधिकारियो ने नशा मुक्ति जागरूकता कार्यक्रम में चलाएं गए हस्ताक्षर अभियान में सहभागिता निभाते हुए हस्ताक्षर किये। इस अवसर पर डिप्टी कलेक्टर श्रीमती एंटोनिया एक्का, कार्यपालन यंत्री जल संसाधन विभाग प्रतीक खरे, मुख्य नगरपालिका अधिकारी श्रीमती आशा भंडारी सहित अन्य अधिकारी ने भी हस्ताक्षर किया।

राज्य स्तरीय कूडो खेल प्रतियोगिता में 6 खिलाडिय़ो ने जीते स्वर्ण पदक

शहडोल। सागर में आयोजित राज्य स्तरीय कूडो प्रतियोगिता में स्कूल शिक्षा विभाग के शहडोल संभाग से 18 खिलाडी छात्र एवं छात्राओं ने भाग लिया, जिसमें 4 स्वर्ण 2, रजत एवं 06 कास्य पदक जीतकर जिला एवं संभाग का नाम रोशन किया। कूडो खेल प्रतियोगिता के सहभागी रहें खिलाडिय़ो को लोक शिक्षण संचालनालय भोपाल द्वारा प्राप्त पदक विजेता खिलाडियो का मेरिट खेल प्रमाण पत्र संयुक्त संचालक शिक्षा श्री उमेश कुमार धुर्वे द्वारा कोच को प्रदान किया। सहायक संचालक खेल रईस अहमद ने बताया कि पदक विजेता खिलाडियो को कुडो नेशनल खिलाड़ी सुश्री श्रेया गुप्ता ने कोचिंग देकर उत्कृष्ट खिलाड़ी के रूप तैयार करने मे योगदान रहा, खेल प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक विजयओ में सर्वश्री सुश्री बन्दना, अपूर्वा, चनंब ,अनुराज रजत विजेता अरमान, रुद्र प्रगिति कास्य पदक अबीगेल, अनुष्का, प्रगति, दिव्यानी, आदर्की एवं कर्तव्य आदि खिलाडी शामिल रहें।

कलेक्टर ने ग्राम दाल में लगाई जन चौपाल

जिला प्रशासन की तत्परता से ग्राम दाल निवासियों को पेयजल समस्या से मिली राहत

स्वास्थ्य विभाग द्वारा स्वास्थ्य शिविर का आयोजन कर बीमार लोगों का किया गया स्वास्थ्य परीक्षण

शहडोल। प्रदेश सरकार के निर्देशानुसार दूरस्थ क्षेत्रों में निवास करने वाले ग्रामीणों की समस्याओं का निराकरण करने के उद्देश्य से 31 मई को ब्यौहारी जनपद पंचायत के दूरस्थ गांव दाल में विधायक शरद कोल की उपस्थिति में कलेक्टर डॉ. केदार सिंह, सीईओ जिला पंचायत शिवम प्रजापति सहित विभिन्न विभागों के जिला एवं जनपद स्तरीय अधिकारियों की उपस्थिति में रात्रिकालीन चौपाल का आयोजन किया गया। विधायक शरद कोल ने ग्रामीणों से शासन द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं पेंशन योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, आयुष्मान कार्ड, उचित मूल्य की दुकानों से राशन वितरण, प्रधानमंत्री किसान सम्मान योजना, मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना के लाभ मिलने के संबंध में जानकारी प्राप्त की। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंशा है कि प्रत्येक पात्र व्यक्ति को शासन की योजनाओं का लाभ मिले इसकी जानकारी प्राप्त करने हेतु यह शिविर आयोजित किया गया है। कलेक्टर डॉ. केदार सिंह ने अभिभावकों से कहा कि वे अपने बच्चों को आंगनवाड़ी केन्द्र तथा स्कूल में नाम दर्ज कराएं। तथा नियमित रूप से स्कूल भेजें। आपने गर्भवती माताओं का पंजीयन, कुपोषण की जानकारी, टेक होम राशन का वितरण तथा टीकाकरण के संबंध में ग्रामीणों से जानकारी ली। ग्रामीणों द्वारा पेयजल की समस्या बताई गई। कलेक्टर ने लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के माध्यम से 2 हैण्डपंप खनन कराने के निर्देश दिए। विभाग द्वारा हैण्डपंप का खनन करा दिया गया है। जिससे ग्रामीणों की पेयजल समस्या का निराकरण हो गया है। इसके साथ ही ग्रामीणों की मांग पर 01 जून 2026 को स्वास्थ्य शिविर आयोजित करने के निर्देश मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को दिए गए। निर्देशानुसार स्वास्थ्य विभाग का दल ग्राम दाल में पहुंचकर स्वास्थ्य शिविर के माध्यम से ग्रामीणों का स्वास्थ्य परीक्षण एवं निःशुल्क उपचार उपलब्ध कराया जा रहा है। सीईओ जिला पंचायत शिवम प्रजापति ने गांव मे चल रहे निर्माण कार्यों, मजदूरी भुगतान की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा जल संरक्षण एवं संवर्धन हेतु जल गंगा संवर्धन अभियान संचालित किया जा रहा है। यह अभियान सरकार के साथ साथ जनता के सहयोग से संचालित है। सभी लोग अभियान में सहभागी बनकर गांव की जल संरचनाओं कुआं तालाब बावड़ी आदि के जीर्णोद्धार में सहभागी बनें। ग्राम चौपाल में पशु चिकित्सा विभाग के अधिकारियों द्वारा दुग्ध उत्पादन बढ़ाने हेतु शासन द्वारा संचालित योजना डॉ अम्बेडकर कामधेनु योजना, आचार्य विद्यासागर योजना डेयरी प्लस योजना, टीकाकरण कार्यक्रम तथा क्षीर धारा योजना की जानकारी दी। इसी तरह कृषि विभाग के अधिकारियों द्वारा प्राकृतिक खेती, परंपरागत खेती, खेती में उपकरणों के उपयोग के संबंध में जानकारी दी गई।

ग्राम घुघरा में नियमित जलापूर्ति से दूर हुई परेशानी

संभाग समन्वयक ने श्रमदान कर जल संरक्षण का दिया संदेश

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

विकासखंड ढीमरखेड़ा अंतर्गत ग्राम पंचायत हरदी के ग्राम डुंडी में जल गंगा संवर्धन अभियान के द्वितीय चरण के अंतर्गत चोपड़ा कुआं पर श्रमदान कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में कुएं की साफ-सफाई करते हुए आस-पास उगी झाड़ियों को काटकर हटाया गया तथा सीढ़ियों में फैले कचरे की सफाई की गई। साथ ही कुएं में जमा प्लास्टिक, पॉलिथीन एवं अन्य कचरे को बोरियों में भरकर श्रमदान के माध्यम से बाहर निकाला गया।

इस अवसर पर म.प्र. जन अभियान परिषद के संभाग समन्वयक रवि वर्मन द्वारा प्रस्फुटन समितियों, नवांकुर संस्थाओं, परामर्शदाताओं एवं छात्रों का परिचय प्राप्त कर जल संरक्षण के अंतर्गत किए जा रहे कार्यों की जानकारी ली गई। उन्होंने ग्रामीणों को "3 पी" — जल, पौधे एवं पॉलिथीन मुक्ति के विषयों पर जागरूक करते हुए इन क्षेत्रों में निरंतर कार्य करने हेतु प्रेरित किया।

संभाग समन्वयक द्वारा समिति के माध्यम से किए जा रहे कार्यों की सराहना करते हुए ग्राम बोर्ड एवं जल संरक्षण से संबंधित दीवार लेखन कार्यों का स्थल निरीक्षण भी किया गया।

नियमित हो रही जलापूर्ति

ढीमरखेड़ा विकासखंड के ग्राम घुघरा में जल जीवन मिशन के तहत संचालित पेयजल योजना से नियमित जलापूर्ति हो रही है।

लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के कार्यपालन यंत्री पवनसुत गुप्ता ने बताया कि योजना के अंतर्गत पाइपलाइन विस्तारीकरण, 236 घरेलू नल कनेक्शन, सम्पवेल एवं ओवरहेड टैंक निर्माण सहित सभी स्वीकृत कार्य सफलतापूर्वक पूर्ण कर लिए गए हैं। कार्य पूर्ण होने के बाद योजना को ग्राम पंचायत के सुपुर्द कर दिया गया है, जिससे इसके संचालन और रखरखाव की जिम्मेदारी स्थानीय स्तर पर सुनिश्चित हो गई है। वर्तमान में योजना के दो नलकूपों के माध्यम से ग्रामवासियों को नियमित और सुचारु रूप से पेयजल उपलब्ध कराया जा रहा है। इससे ग्रामीणों को घर-घर स्वच्छ पेयजल मिलने लगा है।

ग्राम में वैकल्पिक पेयजल व्यवस्था को भी मजबूत बनाए रखा गया है। इसके तहत कुल 8 हैंडपंप स्थापित हैं, जिनमें से 5 हैंडपंप वर्तमान में चालू अवस्था में हैं। हालांकि भू-जल स्तर में कमी के कारण 3 हैंडपंप बंद हैं तथा चालू हैंडपंपों में से 2 में जलस्तर कम होने के कारण पानी सीमित मात्रा में उपलब्ध हो रहा है।

भीषण गर्मी के कारण शिक्षकों के ग्रीष्मकालीन अवकाश में वृद्धि

शहडोल। प्रदेश में लगातार बढ़ रही भीषण गर्मी और हीट वेव की स्थिति को देखते हुए लोक शिक्षण संचालनालय, मध्यप्रदेश ने शिक्षकों के ग्रीष्मकालीन अवकाश की अवधि बढ़ाने का निर्णय लिया है। वर्तमान में कई जिलों में तापमान 45 डिग्री सेल्सियस से अधिक दर्ज किया जा रहा है, जिससे शिक्षकों के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पडऩे की संभावना को ध्यान में रखते हुए यह आदेश जारी किया गया है। लोक शिक्षण संचालनालय द्वारा जारी आदेश के अनुसार शिक्षकों के लिए घोषित ग्रीष्मकालीन अवकाश, जो पूर्व में निर्धारित था, अब 01 मई 2026 से 07 जून 2026 तक प्रभावी रहेगा। अवकाश अवधि में शिक्षक जनगणना एवं बोर्ड परीक्षाओं से संबंधित कार्यों का संपादन कर रहे हैं। जारी आदेश में कहा गया है कि अत्यधिक गर्मी की परिस्थितियों को देखते हुए यह निर्णय शिक्षकों के स्वास्थ्य हित में लिया गया है। आदेश के अनुसार दशहरा, दीपावली एवं शीतकालीन अवकाश पूर्ववत रहेंगे। इस संबंध में सभी संभागीय संयुक्त संचालकों, जिला शिक्षा अधिकारियों एवं जिला परियोजना समन्वयकों को आवश्यक कार्यवाही हेतु निर्देश जारी कर दिए गए हैं।

खबर संक्षेप

पवित्र नगरी अमरकंटक में उपेक्षित रही लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर की जयंती

अमरकंटक। लोकमाता की जयंती पर इस वर्ष पवित्र नगरी अमरकंटक में कोई आयोजन नहीं हुआ। नर्मदा मंदिर परिसर के एक किनारे रखी उनकी प्रतिमा उपेक्षित रखी हुई है और किसी भी संस्था अथवा विभाग द्वारा उन्हें औपचारिक रूप से स्मरण नहीं किया गया। उल्लेखनीय है कि गत वर्ष शासन द्वारा उनकी जयंती पर कार्यक्रम आयोजित किए गए थे। अहिल्याबाई होल्कर के नाम पर नर्मदा मंदिर के सामने निर्मित धर्मशाला भवन वर्तमान में अमरकंटक विकास प्राधिकरण के कार्यालय के रूप में संचालित हो रहा है। इससे पूर्व इसी भवन में नगर पंचायत तथा विशेष क्षेत्र विकास प्राधिकरण (साडा) का कार्यालय संचालित रहा है। यह धर्मशाला उनके धार्मिक, सांस्कृतिक एवं जनकल्याणकारी कार्यों की स्मृति में निर्मित की गई थी। प्राप्त जानकारी के अनुसार अहिल्याबाई होल्कर की प्रतिमा को रामघाट स्थित नवीन रामसेतु पुल के समीप स्थापित किया जाना प्रस्तावित था, किंतु अब तक प्रतिमा स्थापित नहीं हो सकी है। जयंती के अवसर पर स्थानीय नागरिकों ने प्रतिमा की शीघ्र स्थापना एवं लोकमाता के योगदान के अनुरूप सम्मान दिए जाने की अपेक्षा व्यक्त की है।

नगर पालिका परिषद बिजुरी ने अनुसुइया तालाब में किया स्वच्छता श्रमदान

बिजुरी। मध्य प्रदेश शासन के निर्देशानुसार जल स्त्रोतों के संरक्षण और पुनर्जीवन के लिए चलाए जा रहे जल गंगा संवर्धन अभियानश के तहत आज नगर पालिका परिषद बिजुरी द्वारा स्वच्छता श्रमदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य नगरीय क्षेत्र के पारंपरिक जलीय स्त्रोतों को सहेजना और उन्हें प्रदूषण मुक्त बनाना है। अभियान के अंतर्गत आज वार्ड क्रमांक 13 स्थित अनुसुइया तालाब में व्यापक स्तर पर साफ-सफाई का कार्य किया गया। इस दौरान तालाब परिसर और जल क्षेत्र से जलकुंभी, प्लास्टिक कचरा तथा अन्य अपशिष्ट पदार्थों को पूरी तरह साफ किया गया, जिससे तालाब का जल स्वच्छ और संरक्षित हो सके। इस कार्य में स्थानीय नागरिकों की जनभागीदारी सराहनीय रही। निकाय के अधिकारियों, सफाई मित्रों (स्वच्छता कर्मियों) और जागरूक वार्ड वासियों ने कंधे से कंधा मिलाकर तालाब के कायाकल्प के लिए श्रमदान किया।

लाखों की पुलिया बनी खतरे की दीवार, तकनीकी लापरवाही से हादसे का डर

भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ी 5.71 लाख की पुलिया

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। ग्राम पंचायतों में विकास के नाम पर सरकारी खजाने की किस कदर खुली लूट मची है, इसकी सबसे ताज़ा और खौफनाक बानगी अनूपपुर जिले की ग्राम पंचायत पयारी क्रमांक 1 में देखी जा सकती है। यहाँ जोगी कुंड चौरा धाम के पास 5.71 लाख रुपये की लागत से बन रही पुलिया महज एक निर्माण नहीं, बल्कि भ्रष्टाचार की जीती-जागती मिसाल बन गई है। मौके की तस्वीरें चीख-चीख कर गवाही दे रही हैं कि गुणवत्ता को ताक पर रखकर किस तरह निर्माण सामग्री के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है। लाखों रुपये खर्च करके बनाई जा रही यह पुलिया ग्रामीण विकास के कम आएगी और किसी बड़े हादसे को न्योता ज्यादा देगी। इस पूरे खेल में निर्माण कार्य की निगरानी करने वाली सब-इंजीनियर और एसडीओ की रहस्यमयी चुप्पी व कार्यप्रणाली गंभीर सवालों के घेरे में है।

तकनीकी खामियां और कंक्रीट कैंसर का शिकार ढांचा

पुलिया निर्माण में लापरवाही और सामग्री बचाने का खेल बेहद सुनियोजित तरीके से अंजाम दिया जा रहा है। सिविल इंजीनियरिंग के बुनियादी नियमों को ताक पर रखकर किए जा रहे इस निर्माण में ढलाई के दौरान गैप वाली अमानक शटरिंग का उपयोग किया गया और वाइब्रेटर का बिल्कुल भी इस्तेमाल नहीं हुआ। नतीजतन, सीमेंट का घोल बह गया और दीवार में सिर्फ सूखी गिट्टी बची रह गई है, जहाँ ढलाई का काम चल रहा है, वहाँ कंक्रीट को अच्छे से सेट करने के लिए किसी कंक्रीट वाइब्रेटर मशीन का इस्तेमाल होता नहीं दिख रहा है। बिना वाइब्रेटर के, कंक्रीट के अंदर हवा के बुलबुले रह जाते हैं, जिससे कंक्रीट में हनीकॉम्बिंग (छत्ते जैसी दरारें) आ जाती है और मजबूती घट जाती है। बारिश में जब पानी का तेज बहाव इससे टकराएगा, तो यह दीवार पानी के मामूली दबाव से ही भरभरा कर ढह सकती है इसके अलावा, निर्माण की लागत बचाने के चक्कर में कंक्रीट का मिश्रण जानबूझकर बेहद कमजोर और अमानक तैयार किया गया है। किसी भी पुलिया की मजबूती सरियों के सही जाल पर निर्भर करती है, लेकिन यहाँ सरिया बचाने की पूरी कोशिश की गई है। सरिया इतना बेतरतीब बंधा है कि ट्रैक्टर या कोई भारी मालवाहक वाहन गुजरने पर पुलिया वजन का संतुलन नहीं सह पाएगी और बीच से टूट सकती है। हद तो यह है कि ठेकेदार और निर्माण एजेंसी द्वारा कंक्रीट की ढलाई अक्सर उस वक्त की जाती है, जब मौके पर कोई तकनीकी अधिकारी मौजूद ही नहीं होता।

एसी कमरों से मॉनिटरिंग और अधिकारियों का संरक्षण

इन गंभीर तकनीकी खामियों को देखकर सबसे बड़ा सवाल यह उठता है कि सब-इंजीनियर आखिर कर क्या रही हैं? नियमों के तहत कंक्रीट की ढलाई हमेशा इंजीनियर की मौजूदगी में होनी चाहिए। ऐसे में यह संदेह पैदा होता है कि क्या उनका काम सिर्फ जनपद कार्यालय के एसी कमरों में बैठकर एस्टीमेट बनाना और बिना मौके पर गए, ठेकेदार की सहूलियत के लिए आंख मूंदकर मूल्यांकन पुस्तिका भर देना रह गया है? वहीं ब्लॉक स्तर पर बैठे एसडीओ के निरीक्षण और दावों की भी यह जर्जर पुलिया हवा निकाल रही है। पयारी क्रमांक 1 का नाम भ्रष्टाचार के मामलों में आना कोई नई बात नहीं है। इससे पहले भी यहाँ गड़बड़ियों के कई मामले सामने आ चुके हैं, लेकिन जिला स्तर पर बैठे उच्च अधिकारियों ने मानो आंखों पर पट्टी बांध रखी है। ऐसा प्रतीत होता है कि जिले के आला पदाधिकारी भ्रष्टाचार पर लगाम कसने के बजाय उसे संरक्षण दे रहे हैं, यही वजह है कि बार-बार नाम आने के बावजूद अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है।

कलेक्टर से तकनीकी ऑडिट और भुगतान रोकने की मांग

पयारी क्रमांक 1 में निर्माण एजेंसी और तकनीकी अधिकारियों के इस गठजोड़ से हो रही दिनदहाड़े लूट के खिलाफ ग्रामीणों में भारी आक्रोश है। क्षेत्र के जागरूक नागरिकों ने कलेक्टर से मामले में तत्काल संज्ञान लेने की मांग की है। ग्रामीणों का स्पष्ट कहना है कि मौके का सख्त तकनीकी ऑडिट और गुणवत्ता की लैब टेस्टिंग कराई जाए। इसके साथ ही, गड़बड़ी सिद्ध होने तक इस पुलिया से जुड़े हर तरह के भुगतान पर तत्काल प्रभाव से रोक लगाई जाए और जनता के पैसे की बर्बादी करने वाले इंजीनियरों व निर्माण एजेंसी के खिलाफ सख्त दंडात्मक कार्रवाई हो। अब देखना यह है कि प्रशासन इस मामले में जांच का चाबुक चलाता है या फिर भ्रष्टाचार की यह खोखली पुलिया सिस्टम की लापरवाही के नीचे दबकर किसी बड़े हादसे का इंतजार करेगी। मामले में पक्ष जानने के लिए जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्रीमती अर्चना कुमारी के मोबाइल नंबर 9131074485 पर संपर्क किया गया, लेकिन फोन की घंटी लगातार बजती रही और कॉल रिसीव नहीं की गई। इसी प्रकार जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी रवि ग्वाल के मोबाइल नंबर 9630192439 पर भी संपर्क करने का प्रयास किया गया, किंतु उन्होंने भी फोन नहीं उठाया। दोनों जिम्मेदार अधिकारियों द्वारा जवाब देने से परहेज किए जाने से पूरे मामले को लेकर संदेह और गहरा गया है। आमजन के बीच यह चर्चा है कि यदि आरोप निराधार हैं तो अधिकारी अपना पक्ष सामने क्यों नहीं रख रहे हैं। अधिकारियों की चुप्पी से यह आशंका भी व्यक्त की जा रही है कि कहीं वे इस कथित भ्रष्टाचार के संबंध में जानकारी रखने वाले या इसके हिस्सेदार तो नहीं हैं। हालांकि इस संबंध में अधिकारियों का पक्ष प्राप्त नहीं हो सका।

अनूपपुर में सहकार भारती क्रेडिट का प्रदेश सम्मेलन संपन्न, कार्यकर्ताओं का जताया आभार

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। सहकार भारती क्रेडिट मध्य प्रदेश का भव्य प्रदेश स्तरीय सम्मेलन अनूपपुर जिला मुख्यालय में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस गरिमामयी कार्यक्रम में मध्य प्रदेश के सभी 13 संभागों और 55 जिलों से भारी संख्या में आए पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम की सफलता पर जिला पंचायत अनूपपुर की उपाध्यक्ष श्रीमती पार्वती राठौर एवं सहकार भारती की जिला प्रमुख श्रीमती प्रभा मिश्रा ने संयुक्त रूप से सभी के प्रति आभार व्यक्त किया है। श्रीमती पार्वती राठौर और श्रीमती प्रभा मिश्रा ने जानकारी देते हुए बताया कि इस सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में सहकार भारती के राष्ट्रीय संयोजक (क्रेडिट) शिरीष देशपांडे उपस्थित रहे, वहीं कार्यक्रम की अध्यक्षता सहकार भारती के राष्ट्रीय मंत्री दिलीप पाटिल द्वारा की गई। सम्मेलन को सफल बनाने में सहकार भारती के प्रदेश संगठन मंत्री राधेश्याम जल छत्री, प्रदेश महामंत्री राकेश चौहान, सहकार व जिला अनूपपुर से राजेंद्र तिवारी, सर कार्य वाह राजकुमार श्रीवास्तव, श्रीमती छाया सैनी, शहडोल की पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष श्रीमती सत्यभामा गुप्ता, प्रदेश प्रमुख (क्रेडिट) डॉ गोपाल प्रसाद निगम, राजकुमार श्रीवास्तव प्रदेश सह प्रमुख, श्रीमती क्षाया सैनी प्रदेश सह प्रमुख, जिला प्रमुख अरविंद मिश्रा, जिला महामंत्री श्रीमती वंदना सोनी एवं महिला मोर्चा की जिला प्रमुख श्रीमती रश्मि खरे, नरेन्द्र डांगी, प्रदेश संगठन मंत्री मालवा प्रांत, सहित कई वरिष्ठ नेताओं का विशेष मार्गदर्शन और सहयोग प्राप्त हुआ। कार्यक्रम की सफलता पर अपनी प्रसन्नता व्यक्त करते हुए श्रीमती पार्वती राठौर और श्रीमती प्रभा मिश्रा ने कहा हम इस आयोजन को सफल बनाने के लिए प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से सहयोग करने वाले प्रदेश के सभी कर्मठ कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों का हृदय से बहुत-बहुत धन्यवाद और आभार ज्ञापित करती हैं। हमें पूरी उम्मीद और विश्वास है कि भविष्य में भी आप सभी का ऐसा ही स्नेह, आशीर्वाद और मार्गदर्शन मिलता रहेगा, जिससे सहकार भारती मध्य प्रदेश संगठन नित नई ऊंचाइयों को छुएगा। इस गौरवमयी यात्रा में अनूपपुर जिला हमेशा अपना विशेष और अग्रिम सहयोग प्रदान करता रहेगा।

नौतपा के आठवें दिन अमरकंटक में मौसम रहा सुहावना, अधिकतम तापमान 31 डिग्री पर स्थिर

हरिभूमि न्यूज अमरकंटक। मध्य प्रदेश के प्रमुख पर्यटन, धार्मिक एवं आध्यात्मिक तीर्थस्थल पवित्र नगरी अमरकंटक में नौतपा के आठवें दिन भी मौसम ने अपने सौम्य और मनोहारी स्वरूप से लोगों को राहत प्रदान की। सामान्यतः नौतपा के दिनों में जहां प्रचंड गर्मी और तीखी धूप का प्रभाव देखने को मिलता है, वहीं इस वर्ष अमरकंटक में प्रकृति का व्यवहार कुछ अलग ही दिखाई दे रहा है। सोमवार को अमरकंटक का अधिकतम तापमान 31 डिग्री सेल्सियस तथा न्यूनतम तापमान 20 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। वहीं नगर की स्वच्छ एवं शुद्ध वायु का सूचकांक (एयर क्वालिटी इंडेक्स) 54 रहा, जो स्वास्थ्य की दृष्टि से संतोषजनक माना जाता है। ऋषि-मुनियों की तपोभूमि और माँ नर्मदा की उद्गम स्थली अमरकंटक में पूरे दिन मौसम अपेक्षाकृत सामान्य एवं शुष्क बना रहा। दिनभर तेज धूप और लू का असर महसूस नहीं हुआ। आसमान में नीले विस्तार के बीच बादलों की आवाजाही बनी रही, जिससे वातावरण में एक विशेष प्रकार की शीतलता और ताजगी का अनुभव होता रहा। संध्याकाल के समय चली ठंडी और मंद हवाओं ने मौसम को और भी अधिक सुखद बना दिया। नौतपा के आठ दिनों में अब तक लगभग पाँच दिनों तक वर्षा होने के कारण क्षेत्र में गर्मी का प्रभाव काफी हद तक नियंत्रित रहा है। समय-समय पर हुई वर्षा ने न केवल तापमान को संतुलित बनाए रखा, बल्कि वनांचल से घिरे अमरकंटक के प्राकृतिक सौंदर्य में भी नई ताजगी भर दी है। हरियाली से आच्छादित पर्वतीय अंचल, शीतल समीर और बादलों की अठखेलियों ने तीर्थनगरी के वातावरण को रमणीय बना दिया है। स्थानीय नागरिकों एवं पर्यटकों का कहना है कि इस वर्ष नौतपा में अपेक्षित तपिश देखने को नहीं मिली। मौसम की अनुकूलता के कारण श्रद्धालु एवं पर्यटक भी बिना किसी असुविधा के माँ नर्मदा के दर्शन, पूजन और विभिन्न पर्यटन स्थलों का आनंद ले रहे हैं। कुल मिलाकर नौतपा के आठवें दिन अमरकंटक का मौसम गर्मी के बजाय शीतलता, ताजगी और प्राकृतिक सौंदर्य का संदेश देता नजर आया। प्रकृति की इस मेहरबानी ने पवित्र नगरी के वातावरण को सुखद, सुहावना और मनमोहक बनाए रखा है।

जन कल्याणकारी योजनाओं का क्रियान्वयन पारदर्शिता के साथ करें अधिकारी-प्रियंक कानूनगो

मानव अधिकार और समावेशी विकास से जुड़े जमीनी महत्वपूर्ण बिंदुओं पर की चर्चा

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग के सदस्य प्रियंक कानूनगो ने आज कलेक्ट्रेट कार्यालय स्थित नर्मदा सभागार में मानव अधिकार और समावेशी विकास से जुड़े विभिन्न बिंदुओं की सघन समीक्षा की। बैठक में उन्होंने शासन की विभिन्न जन कल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन संबंधी जानकारी प्राप्त करते हुए योजनाओं को सुचिता एवं पारदर्शिता के आधार पर पात्र हितग्राहियों तक पहुंचाने के अधिकारियों को निर्देश दिए। राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग के सदस्य श्री कानूनगो ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि मानव अधिकारों से संबंधित मामलों में संवेदनशीलता के साथ कार्य करते हुए लंबित प्रकरणों का समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि मानव अधिकारों की रक्षा शासन-प्रशासन की सर्वोच्च जिम्मेदारी है तथा इस संबंध में किसी भी स्तर की लापरवाही स्वीकार्य नहीं होगी। उन्होंने आयोग द्वारा मांगी गई जानकारी निर्धारित समय-सीमा में उपलब्ध कराने एवं पीड़ितों को त्वरित न्याय तथा राहत प्रदान करने के निर्देश भी दिए। बैठक में श्री कानूनगो ने स्वास्थ्य सेवाओं एवं दिव्यांग कल्याण से संबंधित गतिविधियों की समीक्षा की। इस दौरान दिव्यांगता प्रमाण-पत्र एवं यूडीआईडी कार्ड निर्माण की प्रगति पर विस्तृत चर्चा हुई। आयोग के सदस्य श्री कानूनगो ने राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग के विभिन्न विषयवार बिंदुओं के संबंध में जिले से अद्यतन जानकारी प्राप्त की। साथ ही नवजात शिशुओं के उपचार हेतु संचालित एनआरसी एवं न्यूबॉर्न केयर यूनिट में उपलब्ध बेड ऑक्युपेंसी की स्थिति की भी समीक्षा की। बैठक में राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग के सदस्य श्री कानूनगो द्वारा राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत संचालित गतिविधियों की समीक्षा की गई। समीक्षा के दौरान बताया गया कि जिले में कुल 7,793 स्व-सहायता समूह एवं 14 संकुल स्तरीय संगठन कार्यरत हैं, जिनसे 83,885 परिवार जुड़े हुए हैं। श्री कानूनगो ने जिले में नवाचार एवं महिला सशक्तिकरण हेतु किए जा रहे प्रयासों की जानकारी प्राप्त की। इस संबंध में अवगत कराया गया कि पुष्पराजगढ़ क्षेत्र में कोदो-कुटकी एवं बेकरी इकाइयों द्वारा निर्मित उत्पादों का विपणन ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के माध्यम से किया जा रहा है। इसके अतिरिक्त जिले में बीजापुरी कारीगर वर्कशॉप के माध्यम से काष्ठ शिल्प को बढ़ावा दिया जा रहा है तथा प्रत्येक विकासखंड में आजीविका सिलाई केंद्र संचालित किए गए हैं। स्व-सहायता समूहों के माध्यम से ग्राम पंचायत स्तर पर समितियों का गठन कर मत्स्य उत्पादन को प्रोत्साहित किया जा रहा है। साथ ही गोंडी चित्रकला एवं जंगली मधुमक्खी शहद संग्रहण गतिविधियों से 86 हितग्राहियों को जोड़ा गया है। बैठक में जिले में संचालित विभिन्न आय सृजन एवं आजीविका संवर्धन गतिविधियों की प्रगति की जानकारी भी प्रस्तुत की गई। बैठक में कलेक्टर हर्षल पंचोली, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्रीमती अर्चना कुमारी, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जगन्नाथ मरकाम, डिप्टी कलेक्टर कमलेश पुरी सहित विभिन्न संबंधित विभाग के विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

जनगणना 2027 का प्रथम चरण संपन्न, फरवरी 2027 में होगी जनसंख्या की गणना

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। कलेक्टर एवं प्रमुख जनगणना अधिकारी हर्षल पंचोली के कुशल मार्गदर्शन और सघन निगरानी में अनूपपुर जिले में जनगणना 2027 के प्रथम चरण का फील्ड कार्य 30 मई को सफलतापूर्वक पूर्ण कर लिया गया है। भारत सरकार द्वारा अधिसूचित 33 प्रश्नों के माध्यम से जिले के प्रत्येक ग्राम एवं नगरीय क्षेत्र में प्रगणकों द्वारा घर-घर जाकर मकानों की स्थिति, उपलब्ध मूलभूत सुविधाओं एवं परिसंपत्तियों संबंधी जानकारी मोबाइल एप के जरिए डिजिटल रूप से एकत्रित की गई। इस व्यापक राष्ट्रीय अभियान की सतत मॉनिटरिंग पोर्टल के माध्यम से की गई, जिससे कार्य की गुणवत्ता, पारदर्शिता तथा समयबद्धता सुनिश्चित हुई। जनगणना 2027 के इस प्रथम चरण को समय-सीमा में और त्रुटिरहित पूरा करने के लिए जिले को 14 चार्ज क्षेत्रों में विभाजित किया गया था। इस महाअभियान को जमीनी स्तर पर सफल बनाने के लिए जिले में 1195 प्रगणकों तथा 198 पर्यवेक्षकों की तैनाती की गई थी। सभी 1393 प्रगणकों और पर्यवेक्षकों ने फील्ड स्तर पर बेहतरीन समन्वय और तत्परता के साथ दायित्वों का निर्वहन किया, जिसके परिणामस्वरूप जिला स्तर पर इस महत्वपूर्ण प्रशासनिक कार्य को सुगमता से अंजाम दिया जा सका। उल्लेखनीय है कि इस बार डिजिटल जनगणना के तहत नागरिकों को स्व-गणना का एक विशेष अवसर भी प्रदान किया गया था। फील्ड कार्य प्रारंभ होने से पूर्व 16 अप्रैल से 30 अप्रैल तक संचालित की गई इस प्रक्रिया में जिले के नागरिकों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। कलेक्टर श्री पंचोली के नेतृत्व में चलाए गए जागरूकता अभियान के सकारात्मक परिणाम स्वरूप अनूपपुर जिले के 9900 परिवारों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए स्वयं अपनी जानकारी ऑनलाइन दर्ज कराई, जो नागरिक सहभागिता का एक उत्कृष्ट उदाहरण है। कलेक्टर हर्षल पंचोली ने जिले के नागरिकों को आश्वस्त करते हुए बताया कि जनगणना प्रक्रिया के वैधानिक प्रावधानों के तहत इस दौरान संकलित की गई सभी व्यक्तिगत जानकारियां जनगणना अधिनियम, 1948 तथा जनगणना नियमावली, 1990 के नियमों के अंतर्गत पूर्णतः गोपनीय रहेंगी। इन आंकड़ों का उपयोग किसी व्यक्तिगत विवरण के रूप में न होकर केवल भविष्य की जनकल्याणकारी योजनाओं, नीति-निर्माण तथा विकास कार्यक्रमों के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु किया जाएगा। उन्होंने जानकारी दी कि जनगणना 2027 के द्वितीय चरण के अंतर्गत वास्तविक जनसंख्या की गणना का कार्य फरवरी 2027 में संपादित किया जाएगा। जनगणना के प्रथम चरण के सफल एवं समयबद्ध संपादन पर कलेक्टर हर्षल पंचोली ने जिले के सभी नागरिकों, जनप्रतिनिधियों, प्रशासनिक अधिकारियों, फील्ड कर्मचारियों तथा प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक एवं डिजिटल मीडिया के प्रतिनिधियों के प्रति आभार व्यक्त किया है।